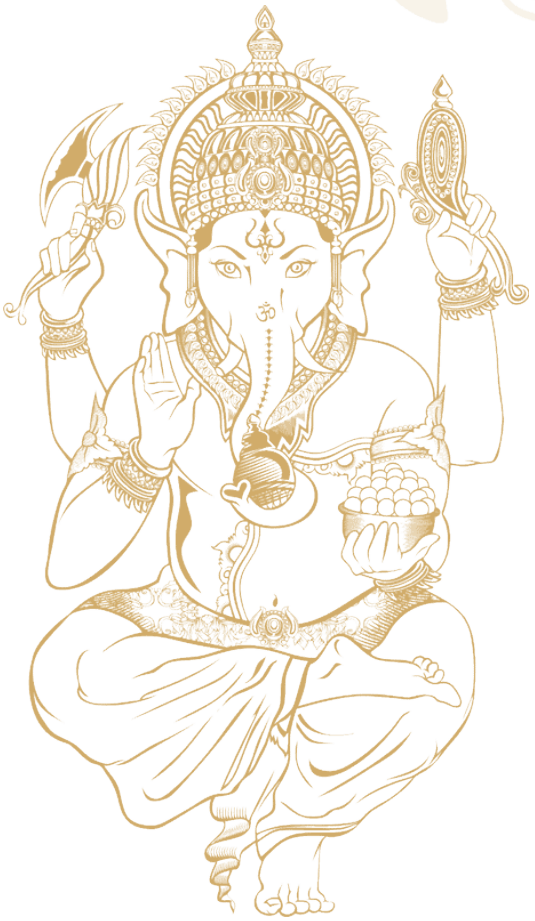

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/05/2001	जन्म तिथि	18/07/2003
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 14:15:00	जन्म समय	09:41:11 घंटे
घटी 22:17:30	जन्म समय(घटी)	10:30:30 घटी
India	देश	India
Mandi	स्थान	Delhi
31:43:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
76:55:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:19:59	सूर्योदय	05:34:28
19:19:03	सूर्यास्त	19:19:47
23:52:18	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:10

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 11वर्ष 3मा 4दि		07:58:51	कन्या	लग्न	सिंह	23:24:14	गुरु 8वर्ष 8मा 10दि	
शनि		11:17:50	वृष	सूर्य	कर्क	01:15:01	शनि	
30/08/2012		23:56:54	मिथु	चंद्र	कुंभ	26:05:10	28/03/2012	
30/08/2031		03:48:53	धनु व	मंगल	कुंभ	15:24:43	29/03/2031	
शनि	02/09/2015	03:04:32	मिथु	बुध	कर्क	15:09:57	शनि	01/04/2015
बुध	12/05/2018	25:14:13	वृष	गुरु	कर्क	27:27:43	बुध	09/12/2017
केतु	21/06/2019	26:10:30	मीन	शुक्र	मिथु	22:33:47	केतु	18/01/2019
शुक्र	21/08/2022	10:35:52	वृष	शनि	मिथु	11:46:24	शुक्र	20/03/2022
सूर्य	03/08/2023	12:43:29	मिथु	राहु व	वृष	03:46:27	सूर्य	02/03/2023
चन्द्र	03/03/2025	12:43:29	धनु	केतु व	वृश्चि	03:46:27	चन्द्र	30/09/2024
मंगल	12/04/2026	00:57:42	कुंभ	हर्ष व	कुंभ	08:17:10	मंगल	09/11/2025
राहु	16/02/2029	14:50:32	मक व	नेप व	मक	18:20:57	राहु	15/09/2028
गुरु	30/08/2031	20:17:42	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	23:46:16	गुरु	29/03/2031

लग्न-चलित

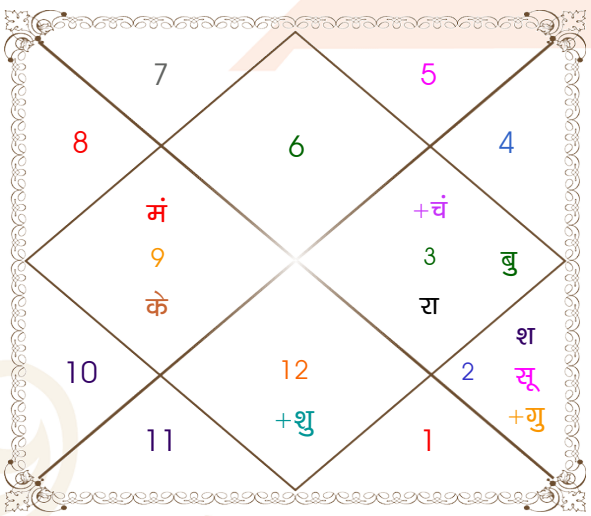

लग्न-चलित

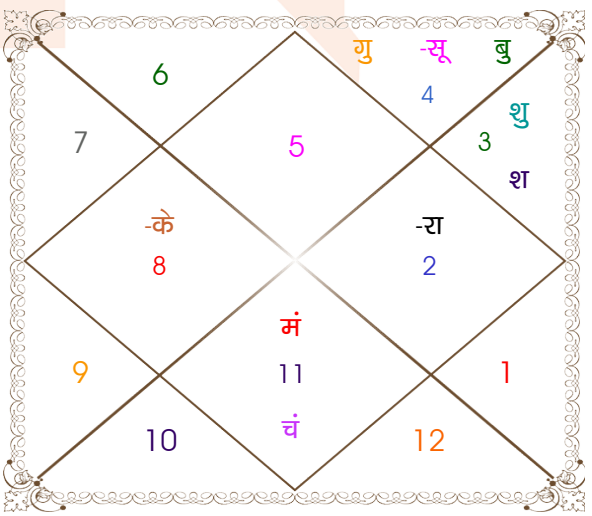

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।